चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	1-9-23	4	4-6

आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग : प्रो. काम्बोज

कहा - कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाएं विद्यार्थी

हिसार, 31 अगस्त (ब्यूरो): किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रूचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएं हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए थे।

यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था।

हकृवि में आयोजित कृषि शिक्षा मेले में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में अनेक प्रकार की चुनौतियां बढ़ रही है, जिनके निवारण के लिए नई तकनीक व नवाचार के सहयोग से उन्नत किस्में विकसित करना, बायोफोर्टिफाइड किस्में विकसित करना, कम जल में फसलों की अधिक पैदावार प्राप्त करना, आधुनिक तकनीक द्वारा खाद्य प्रसंस्करण कर अन्न व सब्जियों को खराब होने से बचाना, कृषि क्षेत्र में उपयुक्त मशीनरी का प्रयोग कर लेबर को बचाना जैसे मुख्य मुद्दे शामिल है।

कुलपति ने कृषि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां भी गिनाई व विभिन्न महाविद्यालयों में शोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का भ्रमण भी करवाया गया, जिसमें उन्हें कृषि से संबंधित उन्नत तकनीकें, नवाचार, उपकरणों के बारे में बताया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	1-9-23	5	1-5

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य संवारने के लिए अपार संभावनाएं: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में स्कूली विद्यार्थियों के लिए कृषि शिक्षा मेला का आयोजन

हिसार, 31 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रूचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएं हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व पशुओं को चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। लेकिन वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में अनेक प्रकार की

कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को गुलदस्ता भेंट करते हुए।

चुनौतियां बढ़ रही है, जिनके निवारण के लिए नई तकनीक व नवाचार के साथ्योग से उन्नत किस्में विकसित करना, बायोफोर्टिफाइड किस्में विकसित करना, कम जल में फसलों की अधिक पैदावार प्राप्त करना, आधुनिक तकनीक द्वारा खाद्य प्रसंस्करण कर अन्न व सब्जियों को खराब होने से बचाना, कृषि क्षेत्र में उपयुक्त मशीनरी का प्रयोग कर लेबर को बचाना जैसे मुख्य मुद्दे शामिल है। कुलपति ने कृषि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां भी गिनाई व विभिन्न महाविद्यालयों में शोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि हकृवि प्रदेश के किसानों से जुड़ा हुआ है व युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए एग्री-बिजनेस इक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व उद्यमशीलता की ट्रेनिंग भी दे रहा है। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कृषि विषय को अपने करियर के रूप में अपनाए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्राहालय का भ्रमण भी करवाया गया, जिसमें उन्हें कृषि से संबंधित उन्नत तकनीकें, नवाचार, उपकरणों के बारे में बताया गया। स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता व आईडीपी के प्रभारी डॉ. केडी शर्मा ने स्वागत किया व उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मिलने वाली विभिन्न स्कॉलरशिप व फैलोशिप के बारे में जानकारियां दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंच का संचालन डॉ. भूपेंद्र ने किया। इस अवसर पर आईडीपी के नोडल अधिकारी डॉ. सोमबीर सहित विश्वविद्यालय से जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशकगण, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	1-9-23	2	1-4

आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग

जागरण संवाददाता, हिसार : किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रुचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाएं।

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएं हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था।

हकृवि में आयोजित कृषि शिक्षा मेले में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज। • पीआरओ

प्रो. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व पशुओं को चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। उन्होंने बताया कि हकृवि प्रदेश के किसानों से जुड़ा हुआ है व युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए एग्री-बिजनेस इक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व उद्यमशीलता की ट्रेनिंग भी दे रहा है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में स्थापित डा. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्राहालय का भ्रमण भी करवाया गया। स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता व आइडीपी के प्रभारी डा. केडी शर्मा ने स्वागत किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंच का संचालन डा. भूपेंद्र ने किया। इस अवसर पर आइडीपी के नोडल अधिकारी डा. सोमबीर आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-9-23	2	1-3

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ संगठित और सहकारी क्षेत्र में भविष्य संवारने की संभावनाएं

एचएयू में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में कुलपति ने रखे विचार

भास्कर न्यूज | हिसार

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में गुरुवार को कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज उपस्थित रहे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया। प्रो. बीआर काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को कैरियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। इसके साथ उन्होंने कहा कि किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय

की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रुचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को कैरियर के रूप में अपनाएं। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएं हैं।

वीसी ने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है। जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व पशुओं को चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। कुलपति ने कृषि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां भी गिनाई व विभिन्न महाविद्यालयों में शोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी प्रदान की।

उन्होंने बताया कि हकृवि प्रदेश के किसानों से जुड़ा हुआ है व युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए एग्री-बिजनेस इक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व उद्यमशीलता की ट्रेनिंग भी दे रहा है। स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता व आईडीपी के प्रभारी डॉ. केडी शर्मा ने स्वागत किया व उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मिलने वाली विभिन्न स्कॉलरशिप व फैलोशिप के बारे में जानकारियां दीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	1-9-23	4	6-8

एचएयू में विद्यार्थियों के लिए लगाया कृषि शिक्षा मेला

कुलपति बोले-कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में अपार संभावनाएं

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रुचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को कैरिअर के रूप में अपनाए, क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएं हैं।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कही। वे वीरवार को विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। शिक्षा मेले में 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व पशुओं को चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी कई समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में कई प्रकार की चुनौतियां बढ़ रही हैं। इनके निवारण के लिए नई तकनीक विकसित करनी होगी।

हिसार में कृषि शिक्षा मेले में विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. कांबोज। फोटो : विवि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	1-9-23	1	1-3

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य के लिए अपार संभावनाएं : प्रो. काम्बोज

हिसार। किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रूचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएं है। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए थे।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। इस अवसर पर स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता व आईडीपी के प्रभारी डॉ. केडी शर्मा, आईडीपी के बोडल अधिकारी डॉ. सोमबीर, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. भूपेंद आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	31.08.2023	--	--

हकृवि में स्कूली विद्यार्थियों के लिए कृषि शिक्षा मेला का आयोजन

कृषि क्षेत्र में भविष्य संवारने के लिए अपार संभावनाएं : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रूचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएं है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व पशुओं को चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। लेकिन वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में अनेक प्रकार की चुनौतियां बढ़ रही है, जिनके निवारण के लिए नई तकनीक व नवाचार के सहयोग से उन्नत किस्में विकसित करना, बायोफोर्टिफाइड किस्में विकसित करना, कम जल में फसलों की अधिक पैदावार प्राप्त करना, आधुनिक तकनीक द्वारा खाद्य प्रसंस्करण कर अन्न व सब्जियों को खराब होने से बचाना, कृषि क्षेत्र में उपयुक्त मशीनरी का प्रयोग कर लेबर को बचाना जैसे मुख्य मुद्दे शामिल है। कुलपति ने कृषि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों भी गिनाई व विभिन्न महाविद्यालयों में शोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि हकृवि प्रदेश के किसानों से जुड़ा हुआ है व युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए एग्री-बिजनेस इक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व उद्यमशीलता की ट्रेनिंग भी दे रहा है। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कृषि विषय को अपने करियर के रूप में अपनाए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का भ्रमण भी करवाया गया, जिसमें उन्हें कृषि से संबंधित उन्नत तकनीकें, नवाचार, उपकरणों के बारे में बताया गया।

स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता व आईडीपी के प्रभारी डॉ. केडी शर्मा ने उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मिलने वाली विभिन्न स्कॉलरशिप व फैलोशिप के बारे में जानकारियां दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंच का संचालन डॉ. भूपेंद्र ने किया। इस अवसर पर आईडीपी के नोडल अधिकारी डॉ. सोमबीर सहित विश्वविद्यालय से जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशकगण, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	31.08.2023	--	--

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य संवारने के लिए अपार संभावनाएं : प्रो. बी. आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 31 अगस्त। किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रूचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएं हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व पशुओं को चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। लेकिन वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में अनेक प्रकार की चुनौतियां बढ़ रही है, जिनके निवारण के लिए नई तकनीक व नवाचार के सहयोग से ऊत किस्में विकसित करना, बायोफोर्टिफाइड किस्में विकसित करना, कम जल में फसलों की अधिक पैदावार प्राप्त करना, आधुनिक तकनीक द्वारा खाद्य प्रसंस्करण कर अन्न व सब्जियों को खराब होने से बचाना, कृषि क्षेत्र में उपयुक्त मशीनरी का प्रयोग कर लेबर को बचाना जैसे मुख्य मुद्दे शामिल है। कुलपति ने कृषि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां भी गिनाई व विभिन्न महाविद्यालयों में शोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि हकृवि प्रदेश के

किसानों से जुड़ा हुआ है व युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए एग्री-बिजनेस इक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व उद्यमशीलता की ट्रेनिंग भी दे रहा है। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कृषि विषय को अपने करियर के रूप में अपनाए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्राहालय का भ्रमण भी करवाया गया, जिसमें उन्हें कृषि से संबंधित ऊत तकनीकें, नवाचार, उपकरणों के बारे में बताया गया। स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता व आईडीपी के प्रभारी डॉ. केशो शर्मा ने स्वागत किया व उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मिलने वाली विभिन्न स्कॉलरशिप व फैलॉशिप के बारे में जानकारियां दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी क धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंच क संचालन डॉ. भूपेंद्र ने किया। इस अवस पर आईडीपी के नोडल अधिकारी डॉ सोमवीर सहित विश्वविद्यालय से जु महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशकगण विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व विभिन्न स्कूलं के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	31.08.2023	--	--

अनेक समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में बढ़ रही चुनौतियां : प्रो. काम्बोज

नभ-छोर न्यूज ▸▸ 31 अगस्त

हिसार। किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रूचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाए हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व

पशुओं को चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। लेकिन वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में अनेक प्रकार की चुनौतियां बढ़ रही है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्राहालय का भ्रमण भी करवाया गया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंच का संचालन डॉ. भूपेंद्र ने किया। इस अवसर पर आईडीपी के नोडल अधिकारी डॉ. सोमबीर आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	31.08.2023	--	--

सहकारी क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रूचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएं हैं।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

प्रो. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व पशुओं को चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता व आईडीपी के प्रभारी डॉ. केडी शर्मा ने विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मिलने वाली विभिन्न स्कॉलरशिप व फैलॉशिप के बारे में जानकारियां दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-9-23	1	3

प्रशिक्षण

1 से 7 सितंबर तक भेड़ एवं बकरी पालन पर प्रशिक्षण
• **कहां-** सायना नेहवाल, कृषि प्रोद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान, एचएयू
15 से 18 सितंबर तक मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण
• **कहां-** सायना नेहवाल कृषि प्रोद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान, एचएयू
20 से 22 सितंबर तक सब्जियों की संरक्षित खेती और फल एवं सब्जी प्रशिक्षण विषय पर प्रशिक्षण
• **कहां-** सायना नेहवाल कृषि प्रोद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
25 से 27 सितंबर तक मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण
• **कहां-** सायना नेहवाल कृषि प्रोद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय।